भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली तथा मौसम केंद्र भोपाल के सहयोग से मध्य प्रदेश राज्य के **उज्जैन** जिले के कृषको हेतु साप्ताहिक मौसम पूर्वानुमान आधारित "ग्रामीण कृषि मौसम सेवा बुलेटिन
कृषि मौसम विज्ञान प्रछेत्र ईकाई (AMFU) कृषि महा विद्यालय, इंदौर राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्व विद्यालय, ग्वालियर, म.प्र. ४७४००२

वर्ष: 2020	बुलेटिन पीरियड: 21 अक्टूबर से 25 अक्टूबर 2020	दिन: मंगलवार	दिनांक:20/10/2020

उज्जैन जिले का मौसम पूर्वानुमान एवं कृषि परामर्श

अ. मौसम पूर्वानुमान सारांश:

कृषि महा विद्यालय, इंदौर के कृषि मौसम विज्ञान प्रषेतरा ईकाई (AMFU)मे स्थित माध्यम अवधी मौसम पूर्वानुमान केंद्र को भारत सरकार के भारत मौसम विज्ञान विभाग भोपाल से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार उज्जैन जिले मे आगामी पाँच दिनो मे 1.0 मिमी वर्षा होने की संभावना है। अधिकतम तापमान 33.0 से 34.0 डिग्री सेंटीग्रेट, न्यूनतम तापमान 19.0 से 22.0 डिग्री सेंटीग्रेट रहने का पूर्वानुमान है। हवा उत्तर से पूर्व दिशा मे 6.2 से 9.6 किमी / घंटा बहेगी।

ब.आगामी पाँच दिनो के लिए उज्जैन जिले का मध्यम अवधी मौसम पूर्वानुमान

जिलेकानाम	दिनांक	वर्षा (मि.मी)	अधिकतमता पमान (°C.)	न्यूनतमता पमान (°C)	बादलोंकी छाया (%)	अधिकतमसापेक्षआर्द्रता (%)	न्यूनतमसापेक्ष आर्द्रता (%)	हवाकीगति (कि.मी.प्रतिघंटे)	हवा की दिशा
उज्जैन	21-10-20	1	33	22	4	71	45	7.5	पूर्व से दक्षिण
उज्जैन	22-10-20	0	33	21	2	65	42	9.6	पूर्व से दक्षिण
उज्जैन	23-10-20	0	33	21	2	60	40	6.2	पूर्व से दक्षिण
उज्जैन	24-10-20	0	34	20	1	57	37	6.4	पूर्व से दक्षिण
उज्जैन	25-10-20	0	34	19	1	51	34	6.6	पूर्व से दक्षिण

स. किसानों के लिए पूर्व–मौसम संबंधी सलाह

फ़सल	अवस्था	सलाह
lkekU; tkudkjh		**कोरोना(कोविड़–19) के गंभीर फैलाव को देखते हुए किसानों को सलाह है कि तैयार फसलों की कटाई तथा अन्य कृषि कार्यों के दौरान भारत सरकार द्वारा आपदा प्रबंन्ध दिये गये दिशा निर्देशों, व्यक्तिगत स्वच्छता, मास्क का उपयोग, साबुन से उचित अंतराल पर हाथ धोना तथा एक दूसरे से सामाजिक दूरी बनाये रखने पर विशेष ध्यानदें।** अगेती रबी फसलों की तैयारी के लिए खेत की जुताई करने के तुरंत बाद पाटा अवश्य लगाएं ताकि मिट्टी से नमी का ह्रास न हो। रबी की फसलों की बुवाई से पहले किसान अपने–अपने खेतों को अच्छी प्रकार से साफ–सुथरा करें। मेड़ों, नालों, खेत के रास्तों तथा खाली खेतों को साफ–सुथरा करें ताकि कीटों के अंडे, रोगों के कारक नष्ट हो सके तथा खेत में सड़े गोबर की खाद का उपयोग करें क्योंकि यह मृदा के भौतिक तथा जैविक गुणों को सुधारती है तथा मृदा की जल धारण क्षमता भी बढ़ाती है।
सरसों		मौसम की अनुकूलता को ध्यान में रखते हुए किसान सरसों की बुवाई कर सकते हैं। उन्नत किस्में– पूसा सरसों–25, पूसा सरसों–26, पूसा अगर्णी, पूसा तारक, पूसा महक।बीज दर–1.5–2.0 कि.ग्रा. प्रति एकड। बुवाई से पहले खेत में नमी के स्तर को अवश्य ज्ञात कर ले ताकि अंकुरण प्रभावित न हो। बुवाई से पहले बीजों को थायरम या केप्टान @ 2.5 ग्रा. प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से उपचार करें। बुवाई कतारों में करना अधिक लाभकारी रहता है। कम फैलने वाली किस्मों की बुवाई 30 सें. मी. और अधिक फैलने वाली किस्मों की बुवाई 45–50 सें.मी. दूरी पर बनी पंक्तियों में करें। विरलीकरण द्वारा पौधे से पौधे की दूरी 12–15 सें.मी. कर ले। मिट्टी जांच के बाद यदि गंधक की कमी हो तो 20 कि.ग्रा. प्रति हैक्टर की दर से अंतिम जुताई पर डालें।
m?kku		फलों (आम, नीबू तथा अमरुद) के नऐ बाग लगाने के लिए अच्छी गुणवत्ता के पौधों का प्रबन्ध करके इनकी रोपाई अनुशांसित दूरी पर शीघ्र करें। **m?kku** की निदाई गुडाई करें।
सब्जियां और मसाले		
मटर		इस मौसम में अगेती मटर की बुवाई कर सकते हैं। उन्नत किस्में – पूसा प्रगति, बीजों को कवकनाशी केप्टान @ 2.0 ग्रा. प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से मिलाकर उपचार करें उसके बाद फसल विशेष राईजोबियम का टीका अवश्य लगायें। गुड़ को पानी में उबालकर ठंडा कर ले और राईजोबियम को बीज के साथ मिलाकर उपचारित करके सूखने के लिए किसी छायेदार स्थान में रख दे तथा अगले दिन बुवाई करें।

टमाटर, बैंगन, फूलगोभीपत्तागोभी व प्याज		सब्जियों में (टमाटर, बैंगन, फूलगोभी व पत्तागोभी) शीर्ष एवं फल छेदक एवं फूलगोभी/पत्तागोभी में डायमंड़ बेक मोथ की निगरानी हेतू फिरोमोन प्रपंच @ 3–4/एकड़ लगाए | जिन किसानों की टमाटर, हरी मिर्च, बैंगन व अगेतीफूलगोभी की पौध तैयार है, वे मौसम को मद्देनजर रखते हुए रोपाई (ऊथली क्यारियों या मेंड़ों) पर करें।
i'kqikyu		
i'kqikyu	• पशुओ को साफ एवं ताजा पानी दिन मे दो बार दे, साथ ही साथ हरे चारा दे। बाहरी परजीवी से बचाव के लिए ब्यूटोक्स का उपयोग करे। पशु शाला की नियमित सफाई करे 1 लीटर पानी मे 5 मिली फिनायल मिलाकर फर्श की सफाई करे।	
मुर्गी पालन	मुरगियों मे रानी खेत बीमारी के नियंत्रण के लिए टीका लगवाए चूजो को 7 दिन की अवस्था पर टीकाकरन करे। मुर्गे एवं मुरगियों मो मिनरल मिक्सचर तथा साफ एवं ताजा पानी दे।	
बकरी पालन	बकरियो मे पी पी आर रोग के नियंत्रण के लिए टीका लगवाए, बकरियो की सुरक्षा करे, बकरियो को हारा चारा साफ पानी एवं सूखे स्थान मे बांधे एवं परजीवी से बचाव के उपाय करे साफ एवं ताजा पानी दिन मे तीन बार दे, साथ ही साथ हरे चारा दे।	

द्वारा: नोडल अधिकारी, डॉ. एच. एल. खपेडिया "ग्रामीण कृषि मौसम सेवा" कृषि महाविद्यालय, इंदौर, फोन: 9009711172**email** **amfuindore@gmail.com**